एवं दूध उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए **एनडीडीबी द्वारा बनाया गया अन्य टीवी विज्ञापन पियो दूध** का लोकार्पण किया। एनडीडीबी डेरी उत्पादों की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए डेरी उत्पादों के व्यावसायिक उत्पादन हेतु उत्पाद, प्रक्रिया एवं पैकेजिंग प्रौद्योगिकियां उपलब्ध कराकर उत्पादों में विविधता लाने में डेरी सहकारिताओं को सहयोग प्रदान करती है और इसके जरिए किसानों की आय में वृद्धि होती है। इसी क्रम में उन्होंने **एनडीडीबी के उत्पाद एवं प्रक्रिया प्रौद्योगिकियां के ब्रोशर** का भी विमोचन किया।

कार्यक्रम के दौरान, नेशनल कोऑपरेटिव डेरी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एनसीडीएफआई) के ई-मार्केट प्लेटफार्म का कुशलता पूर्वक उपयोग करके डेरी किसानों को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने वाली डेरी सहकारिताओं को भी केंद्रीय कृषि मंत्री द्वारा पुरस्कृत किया गया।

किसानों को संबोधित करते हुए श्री राधा मोहन सिंह ने कहा कि किसानों की दीर्घकालिक आजीविका के तौर पर डेरी के विकास में प्रौद्योगिकी की अहम भूमिका रही है। किसानों की आय दोगुनी करने के भारत सरकार के लक्ष्य के अनुरूप, एनडीडीबी डेरी किसानों की प्रौद्योगिकी से संचालित आय प्राप्ति की गतिविधियों को बढ़ावा दे रही है। आय प्राप्ति के विभिन्न साधनों पर केंद्रित विविध वैकल्पिक (कृषि एवं संबद्ध) गतिविधियों के जरिए डेरी किसानों को प्रेरित-प्रोत्साहित कर उनमें प्रवृत्त करना उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता एवं कल्याण के लिए आवश्यक है।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र में समान रूप से वृद्धि हासिल करने के लिए डेरी ग्रामीण भारत की बहुत महत्वपूर्ण विकासात्मक गतिविधि है। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री द्वारा निर्धारित किए गए लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार ने इसे हासिल करने के लिए सात-सूत्रीय रणनीति का लोकार्पण किया है जिनमें शामिल हैं -
i) उत्पादकता वृद्धि ii) सामग्रियों (इनपुट्स) का उचित इस्तेमाल iii) कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करना iv) मूल्य वर्धन v) विपणन में सुधार vi) जोखिम को कम करना vii) सहायक गतिविधियों जैसे कि डेरी, मधुमक्खी पालन इत्यादि को बढ़ावा देना। डेरी बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों जैसे कि राष्ट्रीय डेरी योजना चरण-I (एनडीपी-I) और डेरी प्रसंस्करण एवं बुनियादी ढांचा विकास निधि (डीआईडीएफ) के जरिए पहले से ही विभिन्न समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।

श्री रूपाला ने कहा कि प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुए नए प्रयोग जमीनी स्तर पर किसानों के बीच पहुंचने चाहिए। चूंकि हमारी अधिकांश ग्रामीण आबादी युवा है, इसलिए हमें डेरी उद्योग एवं पशुपालन प्रौद्योगिकी से संचालित कुशल आधुनिक प्रबंधन पद्धतियों को प्रचारित-प्रसारित करने की आवश्यकता है। हमारे डेरी क्षेत्र के कुछ ऐसे पहलू हैं जिन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है जिनमें प्रजनन